Patrika

2.3.23 Pg. 11 Sehore Patrika

सीहोर नगर के 143 स्थल किए चिन्हित, जिला पंचायत सभाकक्ष में दिया प्रेजेंटेशन

आर्किटेक्चर स्टूडेंट्स ने किया सीहोर के हेरिटेज स्थलों का सर्वे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीहोर. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के छात्रों ने सीहोर नगर की हेरिटेज इमारत एवं स्थलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। इस अध्ययन में नगर की धरोहर और पुरात्तव महत्व के स्थलों को चिन्हित कर उनके संधारण के लिए सुझाव भी दिए गए है। बुधवार को इस सर्वे रिपोर्ट पर जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रेजेंटेशन दिखाया।

पीपीटी और डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से रिपोर्ट प्रदर्शित की गई। स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर भोपाल की टीम ने अपने इस अध्ययन में सीहोर नगर में 143 ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक धरोहर और स्थलों को शामिल किया है। जिला पंचायत सभाकक्ष में रिपोर्ट का प्रेजेंटेशन करने के बाद कलेक्टर प्रवीण सिंह, एसपी मयंक अवस्थी ने इसकी काफी सराहना की। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल की प्रोफेसर डॉ. विशाखा कावठेकर, प्रोफेसर रमेश भोले, अपूर्वा पिल्लई, मानसी अवस्थी ने सर्वे दल का उत्साह बढ़ाया। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सीहोर नगर के ऐतिहासिक धरोहर, स्थलों पर किए गए इस सर्वे को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक एवं धार्मिक महत्व की धरोहरें नगर का गौरव होती हैं। निश्चित ही हमें अपनी धरोहरों को संरक्षित और संधारित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब इतिहास और वर्तमान में गैप हो जाता है, तब तथ्यहीन एवं काल्पनिक अवधारणाएं प्रचलित होने लगती है। ऐसे मिथकों एवं अवधारणाओं को स्थापित होने से रोकने के लिए ऐतिहासिक धरोहरों का वास्तविक रूप में संरक्षण और संवर्धन आवश्यक हो जाता है। कलेक्टर सिंह ने सीहोर के शहीद स्थल और सिपाही बहादुर सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्थल का महत्व जलियांवाला बाग से कम नहीं है। जनरल ह्यूरोज की बर्बरता की कहानी दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा कि शहीद स्थल को एक पवित्र स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सर्वे में सीहोर नगर की जितनी धरोहरों को चिन्हित किया गया है, उनके पर्याप्त प्रचार-प्रसार तथा पर्यटकों के लिए लीफलेट-बुकलेट के रूप में प्रकाशित करने की आवश्यकता है। नगर के इन स्थलों का हेरिटेज वॉक के लिए रूट बनाने के साथ ही स्थानीय ऑटो-टैक्सी चालकों को इन धरोहरों की सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने तथा स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में तैयार करने की जरुरत है। एसपी मयंक अवस्थी ने कहा कि छात्रों द्वारा किए गए इस सर्वे से ऐसे कई ऐतिहासिक धरोहरों, स्थलों की जानकारी मिली है जिनके बारे में पहले से अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमें वास्तविकता से अवगत कराती हैं। इन धरोहरों को सुरक्षित और संरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए। कहा कि यहां का गणेश मंदिर देश दुनिया में प्रसिद्ध है।

सीहोर. प्रेजेंटेशन के बाद अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते अफसर।